प्रेस विज्ञप्ति

पूसा कृषि विकास मेले का तीसरा दिन

भा.कृ.अनु.प.- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के विशाल परिसर में आयोजित 'कृषि विकास: नवीन प्रौद्योगिकी' विषय के साथ तीन दिवसीय (05-07 मार्च, 2019) पूसा कृषि विज्ञान मेला आज ७ मार्च को संपन्न हुआ । इस अवसर पर 5 किसानो को IARI फैलो किसान पुरस्कार और32 प्रगतिशील किसानों को IARI नवोन्मेषी किसान पुरस्कार के साथ सम्मानित किया गया ।

पूसा कृषि विज्ञान मेले के अंतिम दिन, तकनीकी सत्र का शुभारम्भ डॉ. ए.के. सिंह, उपमहानिदेशक (प्रसार) और निदेशक, भा.कृ.अ.स. की अध्यक्षता और डॉ. जेपी शर्मा, संयुक्त निदेशक (प्रसार) की सह-अध्यक्षता में किया गया। । अन्य सम्माननीय व्यक्तियों में डॉ. एम. सी. शर्मा, डॉ. पी. एन. माथुर और डॉ. बी.एस.हंसरा उपस्थित थे । इस सत्र में पुरस्कार प्राप्त किसानों (इनोवेटिव फार्मर्स और फेलो फार्मर्स) ने नवाचारों के अनुभवों को साझा किया । सत्र के बाद पैनलिस्टों के साथ किसानों की बातचीत हुई। इसके बाद, समापन समारोह की अध्यक्षता डॉ. त्रिलोचन महापात्र, सचिव DARE और महानिदेशक, ICAR ने की। अन्य गणमान्य व्यक्ति, NITI अयोग के सदस्य डॉ. रमेश चंद; डॉ. संजय अग्रवाल, सचिव कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, डॉ. ए.के. श्रीवास्तव, अध्यक्ष (ASRB); डॉ के. वी. प्रभु, अध्यक्ष, पी.पी.वी.एफ.आर.ए; डॉ. ए.के. सिंह, उपमहानिदेशक (प्रसार) और निदेशक, भा.कृ.अ.स. की अध्यक्षता और डॉ. जेपी शर्मा, संयुक्त निदेशक (प्रसार) डॉ. ए.के. सिंह, उपमहानिदेशक (प्रसार) और निदेशक, भा.कृ.अ.स. की अध्यक्षता और डॉ. जेपी शर्मा, संयुक्त निदेशक (प्रसार) उपस्थित थे ।

डॉ. ए.के. सिंह ने गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया और सभी पुरस्कृत किसानों को बहुत-बहुत बधाई देते हुए देश में कृषि विकास के लिए उनके योगदान के लिए उन्हें धन्यवाद भी दिया।

डॉ. त्रिलोचन महापात्र, सचिव, डेयर और महानिदेशक, भा.कृ.अनु.प. ने अपने भाषण में पूसा संस्थान द्वारा सभी पुरस्कृत किसानों को बधाई दी और कहा कि ये किसान हमारे लिए प्रेरणा हैं और उनसे अपनी यात्रा साझा करने और अन्य किसानों को प्रेरित करने का अनुरोध किया है। इस साल कृषि और बागवानी फसलों के रिकॉर्ड उत्पादन के लिए उन्होंने किसानों और वैज्ञानिकों को भी बधाई दी।

श्री संजय अग्रवाल, सचिव कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत के किसानों से कहा कि वे अधीर न हों और सरकार उनके साथ है। "सरकार और वैज्ञानिक नई प्रौद्योगिकियों के साथ समय-समय पर आपका समर्थन करेंगे । उन्होंने किसानों की आय दोगुनी करने में नई और नवीन कृषि प्रौद्योगिकियों की केंद्रीय भूमिका को दोहराया। उन्होंने सुझाव दिया कि आधुनिक प्रौद्योगिकियां और फसल की किस्में बिना किसी समय अंतराल के किसानों तक पहुंचनी चाहिए और किसानों का विश्वास जीतने के लिए किसानों के खेतों पर प्रदर्शन किया जाना चाहिए। श्री अग्रवाल ने कहा कि सरकार प्रधानमंत्री कृषि सिचाई योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना और पारंपरिक कृषि विकास योजना (परम्परागत कृषि विकास योजना), प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि जैसी विभिन्न योजनाओं के तहत प्रौद्योगिकी का उपयोग बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है।

देश भर से बड़ी संख्या में किसानों ने मेले का दौरा किया और उपयोगी ज्ञान और जानकारी प्राप्त की। निदेशक, भा.कृ.अनु.स. ने आयोजन की शानदार सफलता के लिए संस्थान के वैज्ञानिकों और कर्मचारियों की सराहना की और किसानों को उनकी गहरी भागीदारी के लिए भी सराहा।

डॉ. एश्रीवास्तव .के., अध्यक्ष, ए.एस.आर.बी; डॉ. केप्रभु .वी., अध्यक्ष, पी.पी.वी.एफ.आर.ए.; डॉ. रमेश चंद, सदस्य, नीति अयोग; डॉ. जेपी शर्मा, संयुक्त निदेशक (प्रसार) डॉ. एसिंह .के., संयुक्त निदेशक (अनुसंधान(; प्रगतिशील किसान कर्नल देशवाल, श्रीमती। गौरीप्रिया महापात्र और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी इस समारोह के दौरान मौजूद थे और उन्होंने भी अपने विचार व्यक्त किये । डॉ. जे. पी. शर्मा, संयुक्त निदेशक (प्रसार) ने धन्यवाद ज्ञापन दिया ।

देश भर में भा.कृ.अनु.प. के कई संस्थानों ने भाग लिया और किसान हितैषी प्रौद्योगिकियों, नवाचारों और उत्पादों का प्रदर्शन किया।